दिल्ली के निवासियों द्वारा पंजाब, हरियाणा और राजस्थान से प्राप्त हथियार-लाइसेंस

40. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :**
कुमारी सुशीला तिरिया :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के अनेक निवासियों ने पिछले तीन वर्षों के दौरान विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान से हथियार-लाइसेंस प्राप्त कर लिए हैं, यद्यपि वे लाइसेंसधारी दिल्ली के रहने वाले हैं ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या सरकार उपर्युक्त भाग (क) में मांगी गई जानकारी सभा पटल पर रखने का विचार रखती है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. चिदम्बरम्) : (क) जी हां, श्रीमान् ।

(ख) और (ग) 1986 के दौरान दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के निवासियों के उन 244 मामलों का पता लगाया है जिन्होंने पड़ोसी राज्यों से हथियार लाइसेंस प्राप्त किए हैं । 180 लाइसेंस हरियाणा, 61 पंजाब तथा 3 राजस्थान से प्राप्त किये गए थे । 1984 तथा 1985 वर्षों के दौरान इस प्रकार का कोई भी मामला ध्यान में नहीं आया ।

दिल्ली में सीलमपुर पुलिस थाना में चोरियों और लूटपाट के पंजीकृत मामले

41. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :**
कुमारी सुशीला तिरिया :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली पुलिस के अन्तर्गत सीलमपुर पुलिस थाने में चोरियों तथा लूटपाट के कितने मामले पंजीकृत किये गये ;

(ख) उनमें से ऐसे मामलों की वर्ष-वार संख्या कितनी है जिनकी अभी तक जांच नहीं की गई है और उनका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इन मामलों की जांच न किये जाने के क्या कारण है और इन मामलों के संबंध में कब तक जांच किये जाने की संभावना है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. चिदम्बरम्) : (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान सीलमपुर पुलिस थाने में पंजीकृत लूटपाट और चोरी के मामलों का वर्षवार ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

	वर्ष	मामलों की संख्या
लूटपाट	1984	शून्य
	1985	1
	1986	3
चोरियां	1984	71
	1985	72
	1986	71

सूचित किए गए प्रत्येक मामले में शीघ्र जांच की जाती है ।

42. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :**

42. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :**
कुमारी सुशीला तिरिया :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ समय पहले सशस्त्र लुटेरों ने पूर्वी दिल्ली में विशाल बूट हाउस, विक्टर शूज, बृहमपुरी मेन रोड में लूटपाट की थी और हवाई फायर भी किये थे ;

(ख) यदि हां, तो उस घटना का ब्यौरा क्या है और क्या यह भी सच है कि स्थानीय पुलिस उन सशस्त्र लुटेरों को अभी तक पकड़ने में असमर्थ है ;

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।